50 हजार करोड़ की लागत से लगेंगी तीन सेमीकंडक्टर इकाइयां, मिलेगा रोजगार

टार्क सेमीकंडक्टर्स, भारत सेमी सिस्टम और पैनासोनिक ने यूनिट लगाने के लिए मांगी जमीन

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण (यीडा) सेक्टर-6 में 1100 एकड़ जमीन पर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पार्क विकसित करने की योजना को अंतिम रूप दे रहा है। इन पार्क में न केवल भविष्य की गाड़ियां बनेंगी और देश में चिप निर्माण का युग शुरू हो सकता है, बल्कि हजारों युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। 500 एकड़ में सेमीकंडक्टर पार्क और 600 एकड़ में ईवी पार्क विकसित होगा।

सेमीकंडक्टर यूनिट के लिए हीरानंदानी समूह की टार्क सेमीकंडक्टर प्रा.लि. ने सेक्टर-28 में 125 एकड़, भारत सेमी सिस्टम ने 500 एकड़ और पैनासोनिक ने 100 एकड़ जमीन अपनी यूनिट लगाने के लिए मांगी है। इनके प्रस्ताव पर अभी शासन की मुहर नहीं लगी है। परियोजनाओं के पहले चरण में 13,599 करोड़ रुपये के निवेश से इकाइयां स्थापित होंगी, जबकि अगले चरण में निवेश 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंचेगा।

1100

एकड़ में तैयार होगा अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर और ईवी पार्क

> कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कंपनियों ने प्राधिकरण से जमीन की मांग की है। यह परियोजनाएं आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की पहचान पूरी तरह बदल देंगी। -डॉ. **अरुणवीर सिंह, सीईओ, यमुना प्राधिकरण**

सेमीकंडक्टर पार्क : देश में चिप निर्माण का युग प्रारंभ होगा : इससे 40 हजार नए रोजगार सृजित करने की योजना है। इन परियोजनाओं की स्थापना से यमुना प्राधिकरण न केवल यमुना सिटी को हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाएगा, बल्कि यह भारत के मेक इन इंडिया और सेमीकंडक्टर मिशन को भी मजबूती देगी। सेमीकंडक्टर उद्योग पर देश की निर्भरता अब तक पूरी तरह आयात पर रही है, लेकिन अब यमुना क्षेत्र में इसका उत्पादन शुरू होने से देश में चिप निर्माण का युग प्रारंभ हो सकता है। यमुना सिटी की पहचान पहले ही एयरपोर्ट, फिल्म सिटी और लॉजिस्टिक्स हब जैसी योजनाओं से जुड़ी है। अब सेमीकंडक्टर और ईवी पार्क जुड़ने से यह क्षेत्र न पूरे देश के आर्थिक मानचित्र पर एक रणनीतिक केंद्र के रूप में उभरेगा।

ईवी पार्क : भविष्य की गाड़ियां बनेंगी : ईवी पार्क इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण, बैटरी यूनिट, चार्जिंग स्टेशन निर्माण व अन्य सपोर्ट इंडस्ट्री को बढ़ावा देगा। इससे क्षेत्र में भारी निवेश आएगा। इससे जुड़ी सपोर्ट इंडस्ट्री को भी बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार भी प्राप्त होगा।